Rajarshi Shahu Mahavidyalaya , (Autonomous) Latur Composition of Board of Studies

Term: Three years (For the Year 2018-19 to 2020-2021)

Faculty: Arts Name of Subject: Hindi

Name of HoD & other faculty member	Two Subject experts from outside the Parent University nominated by Academic Council	One expert by V.C. from panel of 06 recommended by the college principal	One from industry/ corporate/ allied area relating to Placement	One PG meritorious alumnus by principal	Expert from outside for special courses (Co- option)	Other members of the staff of the same faculty.
1. Dr. Pallavi B. Patil	Dr. Jogendrasingh Bisen	Dr. R.M. Jadhav	Shri. Ganesh Mathpati	Prof. Balaji P.Suryawanshi		Dr. Sambhaji Patil
2. Prof. S.R. Chavan	Dr. Sadanand K. Bhosale					
3. Prof. A.D. Landge						

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur MINUTES BOOK Faculty of Arts Board of Studies : Hindi 02-16-2019 महाविद्यालय के दुविसीय माघ) डर्ड है। विका हिंदी विभाग) पल्ली पारीस मडम में द्वागन उपस्थित सद्थ्य -प्राचित्र पादील क्रे. जोनेप्रसिष्ट विसेन यावसाहेन जाधन ाठोद्राजी महपती 45 प्रा . वालाजी सूर्ववेशी प्रा. यस . आर . चकान पा र ही लांडा

CS SEAned with Camscanner . 8 . 7 -



Scanned with CamScanner

Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur MINUTES BOOK

Faculty of Arts

Board of Studies : Hindi
(163/20)]
विद्यापत्र - हिंदी कोशल विकास अध्यापन्ता - [66]
की दैदशलेखन - हिंदी पर्णमाला © वर्तनीगन देख 3) वर्तनी के नियम ५) विश्वमत्मिह्नों का प्रयोग
भी कम्पूर्य का प्रयोग - अस्थापन ता [06] 1) कम्प्यूर्य का सामान्य परिचय प्रात्मकिन ा [12]
3 ई-मेल भेजने की विधि 4) वेब अर्चींग (सामग्री की थ्वीन)
का परिचय - जैसे - नाट्यमंचन , कविता पार्व , नाम, नाथ
ज्ञा अनुवाद जीयान - अध्यापन ना [08] ज्ञा अनुवाद : परिभाषा और स्वयू प्रान्मित ना [10] ज्ञा अर्थ अनुवादक के छुन
जी भगित तथा अंग्रेनी विधाओं का हिंदी अनुवाद जायन 10
की अभावन कोशल — अह्वापन ता किर्
श्च स्थामण क्रीयाल की विषयसूरी - 1) बेरी बराव केरी पढ़ाव राज कदम स्वरस्ता की भीर 3 राष्ट्रीय एकता में हिंदी
की महत्व

Page No.:63



Shiv Chhatrapati Shikshan Sanstha's Shiv Chhatrapati Shiksnan Sanstina Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

MINUTES BOOK

Faculty of Arts rd of Studies : Hindi

Board of Studies
बिजपत्र - भाषा शिक्षण एवं उधेनार गिष
मुझाव 1] डी पल्लवी पाधिल – 1] राजेंद्र यादव के 'नएनए आनेवाले ' यह कुधनी राष्ट्री जाए ।
श्री अमृता भारतीकी 'एक छोचियी वार्यिवत। यह जिना रथी नाए।
3 निभांत की पियकड़ पति की पत्नी से एक मुलाकान यह कविता रखी र जाए /
प्रा स्त्रभेकांत न्यव्या – पु मन्तु भंजरी की तम्मा 'कुष्टानी राजी नाए) समा अलगार की गमल राजी नाए। श
3) डॉ. जोनेद्रसिंह विसेन — 1) अटल विहासीवाजपभीजी की 'जम्मुकी प्रकार ? यह कवित्ता रखी जाए।
 कुरेशिकी गमल रख्नी आए।

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur MINUTES BOOK

Faculty of Arts

	=======		======================================	udies : I	lindi		*******
- 611	गपर।	माल न	যা খুলাকা				
31.	uma	पारातम					
D'	हम रे	विवासी	ारते हैं।	गेरीयान	किशो	रकांकी र	की माए

- 3पाट्याय
- हिमाश्र ओशी
- लक्मीनाराय्वा लालकी र शदर थान
- विवा सेवितीका ' याहका गोर जीनी
 - मार्याल के उपलब्स में अंकर शेष नाएक रखी गए। 2/6
 - 347 3404 44 4291 711 2
- पा-3
 - यह जीविशी अंद्रार्थी जाए। में नारायण देशाई



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Laty MINUTES BOOK

Faculty of Arts Board of Studies : Hindi

य) 'छेधेपर लाश' तथा' 'ब्बिजावा' रम हो ब लयुक्येन्नाहे राज्ञेका सुझाव ।
हा डो . नागिप्रसिंह विसेन — जिले हुए मुलाफिर के उपलब्म में तमस उपजास रखनेका सुझाव
श भोलाराम का जीव । यह काँग कामी रळी जाए
जु नाखुन वर्जु बढ़ते हैं र हत्तरी प्रसाद द्रविवेहिका निवध राज्ञा नार) ताजा हरिष्ठंकर प्रशाद का राज्ञनीतिका ब्राट्यारा र यह निवध राज्ञा जाए। मिश्रिय प्रधाकी जायरा की डायरी के कुछ अग्रा राज्ञे नाए। जीपा स्वर्थकान नाला - गु ली है उर मुसाणिर के उपलब्धम में मोहनदास लघुउपाबास राज्या नाला
2) नीलक हें उदास १ कुबेरनाथ राथ का उपज्यास रथानी
उ यशपाल की 'परदा' भट छहानी राजी जाए।
प्रा बालानी सूर्यक्री — क्रिकाश्वरनाथ रेगू की ऋगजल द्यन जल यह रियोत्तीत रश्नी जाए। CS Scanned with CamScanner

Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur MINUTES BOOK

Faculty of Arts

Board of Studies : Hind

c C
कार्यम (एडा)
नि सा. ए. वा . काम , वा गामि
की पाठ्यक्रम के दाना आंगन
क्रिया करना एँ क्रान्पश्चा नाम
का पाठ्यकम निष्यत करना एवं बीजपत्रका नाम
यो की रि. प्रथम वर्ष रेन्छिक विषयक दोनो बीनपत्र
के दीनी आयन पाड्यकम को निश्चिम करना एव
पार्वण पार्वण्यम का निश्चन करना एव
उस बीजपत्र का नाम निश्चित करना।
22119 -
उँ पलिन प्रशि न
1) 01 . 4 (6)41 41414 -
THE STATE OF THE S
3 बीं . ए. द्वितीयवर्ष स्कीलइन्हांओंट कीर्स का अध्याम
ज जा रहा प्रावता नवप ब्यालक कास जा जन्याम
निश्चित करना
श्रुभाव -
1 St. Hoped TIPPA
1) 31. 4mid) 410m -
ा ज्यामहिल्य — लीट हुए मुसाफिर द्वम अपन्यास के नगर
• तमसं ४स उपन्यास का रखनेका सुझाव ।
(1917) 24 - 17 1 3 11/1
21 2 2 2
 क्लानीओंको लेक्य युन और श्री क्रशनको रखनेका सुझान,
3) कुछा कुननी की कम करके हो लघुक्र घार श्रिकी जाए।
यह आलेख रणा उपरा
Page No. :59

Scanned with CamScanner



Rajarshi Shahu Mahavidyalaya (Autonomous), Latur

Faculty of Arts Board of Studies : Hindi

- 4) नैनिक मूल्यों की आवश्यकर्ग 5) पयिव	(०) सनकता
6) प्रजानंत्र के बदलने मूल्य 7) अधिरय स	14/जिका दर्प
र्य	118014-
कु विश्वक निस्ति कार मार्ग के नागानार है	
<i>२११</i> ८२।	
अध्यापन त	08
च्वी समाचार लेळान एवँ प्रस्तुमीकरंग — प्राचिकान	10
] अमार्गार पत्र के लिए समान्गर लेखन एव	
2) प्रदर्शन के लिए समान्याय लेखीन एँव प्रव	नुसीकरा
3) आक्रावाणी के लिए समानार लेखन् एवं प्रः	मुरी छरण
गी अद्धकोश के लिए शहदों का संकुलन	- 3/821149 j
<u>जिस्स संकलन की प्रविधि</u>	प्रात्विकता.
2) अद्धेश लेखन की प्रविधि	
3 विषयानुमार बाद्धों का संकलन	
	0
canned with CamScanner	